

2

[illegible][illegible]



मादनीभूमिनीयेवविदुषांचित्तनादिर्कावयमकलेनइमम्व
 न्नकविशकाहुहत्वायधिर्नाकूतुविद्यावायसिद्धिदत्ताद्य
 काभउच्यन्तुगुह्याभायकसाधिविषयताभूकणनरदसिद्धिद
 विसर्ग्ययदास्याहोममकूतवसदासयदिव्यनैकपूयविक्रिा
 नमोहमवगिभुक्त्यालियवतायोवानावूकनइत्यनमदासिध

[illegible]

लिनिनामसमाच॥४॥

॥ ॥

५

ॐ नमः श्रीरवस्यनाथे॥ तुलाययनाय नमः शिवाय सव
नना शिवाय सनाय सर्वसन्नाय नमः श्रीशिवाय नमः श्रीशिवाय नमः
शिवाय नमः ॥ ॐ नमः श्रीशिवाय नमः ॥ ॥ ॐ नमः श्रीशिवाय नमः ॥
ॐ नमः श्रीशिवाय नमः ॥ ॐ नमः श्रीशिवाय नमः ॥ ॐ नमः श्रीशिवाय नमः ॥
वाविसवाय नमः श्रीशिवाय नमः श्रीशिवाय नमः श्रीशिवाय नमः

ॐ कालूनि कायः ॥ नमो ध्या ॥ ॐ मरु मरु कन्दयि विरु कन्दयि मिर्मल ॥
 मजत्र सुर्मजत्र सर्वरय मादनि सर्वरय मादनि सर्वरय यापरय
 गोवि मादनि वाड कय वाडरय येन रय मत्रय रय अत्रिरय
 अकात्र मरुतय दहिरय दहिरय अवि उदक रय पुलक
 रय अ सनिरय स मरुतय सना मध्य गण वा येन मध्य गणा वा रीसि द

मंदि गन वा रीसि द मध्य गण वा वाद्य मध्य गन वा इज मध्य गन
 कर्षे सध्य मध्य गन वा मंदि मध्य गन वा दक्षि मध्य गन वा स
 मरु मध्य गन का लया स मध्य गन वा मिगम मध्य गन वा
 अव मध्य गन वा का ल मध्य गन वा ठा मु मध्य गन वा सर्व दानु
 मध्य गन वा ४ ॐ ति सर्व दूष्य व मूच न वरु २ मी मम सर्व सत्यानी

धसरत्त बज्राचाय सुरत्त श्री महाविहार